वर्ष 5 अंक 134
पृष्ठ 14
धनबाद, शनिवार
19 नवंबर 2016
आसनसोल संस्करण
मूल्य ₹ 5.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

देशहित में पूर्व सैनिकों को मिलेगी नई जिम्मेदारी 11

चीनी दीवार लांघकर सिंधू सेमीफाइनल में 10

www.jagran.com

पश्चिम बंगाल • झारखंड • बिहार • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित

सर, क्या आपने कभी किसी से रिश्वत ली है?

जागरण संवाददाता, आसनसोल: दैनिक जागरण के कार्यक्रम बाल संवाद इन दिनों स्कूली बच्चों के बीच लोकप्रिय होता जा रहा है। शुक्रवार को बाल संवाद कार्यक्रम के दौरान ईसीएल शीतलपुर सीआइएसएफ यूनिट के कमांडेंट मिथिलेश कुमार से रू-ब-रू होकर आसनसोल दिल्ली पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने कई सवाल पूछे। छात्र छात्राओं के सवालों का सहजता से सीआइएसएफ कमांडेंट ने जवाब दिया। कमांडेंट मिथिलेश कुमार ने कहा कि बच्चे अपने कैरियर पर विशेष ध्यान दें। पढ़ाई के साथ-साथ स्वास्थ्य, खेलकूद पर भी जोर दिया जाए।

दैनिक जागरण बाल संवाद

सवाल : सर, सीआइएसएफ का क्या कार्य होता है

अदिति व्यास, छात्रा

जवाब : सीआइएसएफ का मतलब सेंट्रल इंडस्ट्रीरियल सिक्युरिटी फोर्स होता है। यह केंद्र सरकार के समस्त प्रतिष्ठानों, उद्योगों और संस्थानों में सुरक्षा के लिए काम करता है।

सवाल: आपके जीवन का वह कौन सा मोड़ था, जिससे आपकी जीवन बदल गई ?

देवलिना नंदी, छात्रा

जवाब : जब मेरा चयन सीआइएसएफ में एसिस्टेंट कमांडेंट के लिए हुआ, तभी से मेरे जीवन में एक नया मोड़ आया। इसके बाद उन्हें प्रमोशन मिला और उनके जीवन में भी बड़ा बदलाव आया।

प्रश्नों का जवाब देते शीतलपुर सीआइएसएफ यूनिट के कमांडेंट मिथिलेश कुमार।

सवाल : आपके आदर्श कौन थे और आपने छात्र जीवन में मां और पिता से कभी डांट खाई है ?

आर्यारुप बोस, छात्र

जवाब : आदर्श तो हमारे माता-पिता ही हैं। हालांकि मां थोड़ा बहुत डांट भी देती थी, लेकिन हम बहुत शांत स्वभाव के और पढ़ने वाले बच्चे थे, इसलिए पिताजी बहुत प्यार करते थे।

सवाल : आपको जितना स्कूल में पढ़ाया जाता था उससे अलग भी पढ़ते थे ?

भानवी दीक्षित, छात्रा

जवाब : आज के प्रतियोगिता के युग में स्कूल के अलावा और ज्ञान होना आवश्यक है। पढ़ने की कोई सीमा नहीं होती है। इसलिए स्कूली पढ़ाई के साथ अन्य ज्ञान भी जरूरी है। ज्ञान को बढ़ाने का अखबार भी एक अच्छा जरिया है।

सवाल : सफलता का क्या मूलमंत्र है ?

शिवम सिंह, छात्र

बाल संवाद में प्रश्न पूछते आसनसोल दिल्ली पब्लिक स्कूल के बच्चे। जागरण

जवाब : विद्यार्थियों को किसी भी काम को तब तक करना चाहिए जब तक की सफलता न मिले। यही सफलता का मूलमंत्र है। अच्छाई से अलग होकर किसी अन्य काम को सीमा से बाहर नहीं करना चाहिए।

सवाल : पढ़ाई-लिखाई में आधुनिक संसाधन का प्रयोग कहां तक उचित है ?

आकाश कुमार मिर्धा, छात्र

जवाब: वर्तमान दौर प्रतियोगिता का दौर है, इसमें पढ़ाई के साथ आधुनिक संसाधन का उपयोग आवश्यक हो गया है। जैसे कंप्यूटर, स्मार्टफोन आदि का उपयोग सिर्फ पढ़ाई और अच्छे कार्य के लिए कर सकते हैं। अभी फेसबुक आदि सोशल साइट पर जाने से परहेज करें।

सवाल: सर आपका ऐसा कोई शिक्षक जिसे आप आज भी याद करते हैं ?

मोनालिसा चटर्जी, छात्रा

जवाब : वैसे तो अनेक शिक्षक हैं जो समय-समय पर याद आते हैं, मगर सबसे अधिक गणित के शिक्षक एपी सिंह थे, जिन्हें हम हमेशा याद करते हैं।

इन्होंने भी पूछे प्रश्न

सत्यम सिंह, उन्नति ढोकानिया, मोहन मिर्धा, अंकिता रंजन प्रसाद, अनिरुद्ध सरकार, साक्षी रानी, अर्निवान मित्रा, सौभाग्या प्रसाद, सहाना अंजुम, नैनिका अग्रवाल, अनंत शर्मा।

ये रहे मौजूद

स्कूल के प्राचार्य आरडी शर्मा, शिक्षिक कॉर्डिनेटर प्राप्ती बोस और प्रशासक राहुल प्रसाद मौजूद थे।

सवाल : सीआइएसएफ में आने का क्या कारण था ?

अनिकेत रंजन प्रसाद, छात्र

जवाब : हमारे पिताजी सीआइएसएफ में थे, इसलिए घर में फोर्स में जाने का वातावरण था। इसके पीछे एक कारण देशसेवा भी थी। लेकिन यह कोई जरूरी नहीं कि देश की सेवा करने के लिए फोर्स में ही जाया जाए। इंजीनियर और चिकित्सक के अलावा अन्य कार्य करने वाले भी अपने-अपने स्तर से देश की सेवा कर सकते हैं।

सवाल : सर क्या आपने कभी रिश्वत ली है ?

प्रिया आचार्यजी, छात्रा

जवाब : नहीं अभी तक रिश्वत नहीं ली है। फोर्स में अनुशासन को विशेष महत्त्व दिया जाता है। हमने कभी अपनी नैतिकता को डगमगाने नहीं दिया। आज तक ऐसा नहीं हुआ है और आगे भी नहीं होगा।

सवाल : सर, आपकी पसंदीदा फिल्म और पसंदीदा अभिनेता कौन है ?

सुयास जायसवाल

जवाब : पसंदीदा फिल्म लगान है, क्योंकि उसमें टीमवर्क कैसे होता है उसे दिखाया गया है। पसंदीदा अभिनेता आमिर खान है।

प्रश्न: आपका प्रिय खेल और खिलाड़ी कौन है ?

देवब्रतो राय, छात्र

जवाब : मेरा पसंदीदा खेल क्रिकेट शुरू से ही रहा है और पसंदीदा खिलाड़ी महेन्द्र सिंह धोनी है।

सवाल : आपकी शिक्षा कहां पूरी हुई ?

प्रेम प्रकाश पांडे, छात्र

जवाब : पिताजी सीआइएसएफ में थे तो उनका स्थानांतरण अलग-अलग जगह होता था। इसलिए कभी इंदौर, कभी उदयपुर, कभी असम आदि में राज्यों में शिक्षा पूरी की।